

पाठेनन्दरूपतः हि ब्रह्मसूत्रम् ।  
तन्मन्त्रवत्तन्मन्त्रादिपिरित्तन्मन्त्ररूपतः ॥

## भाग १

संपादक तथा अङ्ग वादक  
डॉ हरदेव ।हरा.डॉ रत्नान्द्र .भार